RAJNIC
An e-Governance Newsletter of
NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (जनवरी से मार्च 2026)

हमारी विरासत

गागरोन किला

https://obms-tourist.rajasthan.gov.in/place-details/Gagron-Fort

गागरोन किला राजस्थान के झालावाड़ ज़िले में स्थित है और झालावाड़ शहर से लगभग 8 किलोमीटर दूर है। यह एक अनोखा किला है, जो तीन तरफ से पानी से घिरा हुआ है और चौथी तरफ एक खाई है; इसलिए इसे 'जल किला' या 'जल दुर्ग' भी कहा जाता है। यह किला आहू और काली सिंध नदियों के संगम पर बना है और आस-पास की पहाड़ियों से जुड़ा हुआ है, जिससे इसे मज़बूत प्राकृतिक सुरक्षा मिलती है।

इस किले का निर्माण सबसे पहले राजा माधो भील ने करवाया था और बाद में 12वीं शताब्दी में यह राजा बीजलदेव सिंह डोड के शासन में आ गया। समय के साथ, शेरशाह सूरी और अकबर सहित कई राजाओं ने इस पर शासन किया। इसे "राजस्थान के पहाड़ी किलों" (Hill Forts of Rajasthan) के तहत UNESCO विश्व धरोहर स्थल के रूप में भी मान्यता प्राप्त है।

कई वर्षों तक, खिंची राजपूतों ने इस किले पर शासन किया। अंतिम शासक, राजा अचल दास खिंची ने 1423 में जब किले पर हमला हुआ, तो बड़ी बहादुरी से लड़ाई लड़ी। हालाँकि हार निश्चित थी, फिर भी उन्होंने आत्मसमर्पण न करने का फैसला किया। इस किले ने कई युद्ध देखे हैं और यह उस समय के साहस और इतिहास को दर्शाता है। किले की बनावट मज़बूत और सुनियोजित है, जिसमें दीवारों की तीन परतें और दो मुख्य द्वार हैं। किले के अंदर गणेश पोल, दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास, मंदिर और महल जैसी महत्वपूर्ण जगहें हैं। किले के पास, पर्यटक सूफी संत मिट्ठे शाह की दरगाह और संत पीपाजी का मठ भी देख सकते हैं, जो इसके सांस्कृतिक महत्व को और बढ़ाते हैं।

झालावाड़ शहर से सड़क मार्ग द्वारा गागरोन किले तक पहुँचना आसान है। सबसे नज़दीकी रेलवे स्टेशन कोटा में है, जो लगभग 85 किलोमीटर दूर है, और सबसे नज़दीकी हवाई अड्डा जयपुर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है। यहाँ घूमने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च के बीच होता है, जब मौसम सुहावना रहता है; वहीं, मॉनसून के मौसम में भी यहाँ के नज़ारे बेहद खूबसूरत होते हैं।

महत्वपूर्ण आयोजन / घटनाएँ

माननीय प्रधानमंत्री ने HPV टीकाकरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया

28 फरवरी 2026 को अजमेर की अपनी यात्रा के दौरान, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दौरे के समय, NIC राजस्थान ने सभी तकनीकी और ICT व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संभाला। इस कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 14 वर्ष तक की आयु की बालिकाओं के लिए राष्ट्रव्यापी HPV टीकाकरण अभियान का शुभारंभ था; यह शुभारंभ माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े और माननीय मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा की उपस्थिति में किया गया। NIC ने अपनी VC (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग) डिवीज़न के माध्यम से अस्पतालों और कार्यालयों को आपस में जोड़कर, पूरे देश में निर्बाध VC सुविधाओं को सुनिश्चित किया। प्रधानमंत्री ने लगभग ₹16,600 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया और उनकी आधारशिला रखी। NIC ने इस सार्वजनिक कार्यक्रम के लिए सशक्त डिजिटल और प्रसारण (broadcasting) सहायता प्रदान की, और कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षित संचार सुविधाओं से युक्त एक अस्थायी PMO (प्रधानमंत्री कार्यालय) को सफलतापूर्वक स्थापित किया। इन कार्यक्रमों की सफल तकनीकी प्रस्तुति, DDG और SIO राजस्थान डॉ. पी. गायत्री के नेतृत्व वाली एक वरिष्ठ टीम की सूक्ष्म और विस्तृत योजना का परिणाम थी। श्री अजीत जैन, वरिष्ठ निदेशक (IT) और श्री तेजा सिंह रावत, DIO अजमेर ने, कार्यक्रम स्थल पर होने वाले कार्यों (on-site operations) का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करने के लिए, स्वास्थ्य मंत्रालय और राज्य के वरिष्ठ ब्यूरोक्रेट्स के साथ निकट समन्वय में कार्य किया। इस त्रुटिहीन निष्पादन ने एक बार फिर भारत के सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रशासनिक और विकासात्मक कार्यक्रमों के लिए आवश्यक, विश्वसनीय डिजिटल बुनियादी ढांचा प्रदान करने में NIC की निर्णायक भूमिका को रेखांकित किया है।

माननीय राज्यपाल का कोटा दौरा

नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर (NIC) कोटा ने 12, 22 और 23 जनवरी 2026 को राजस्थान के माननीय राज्यपाल की आधिकारिक यात्रा के लिए व्यापक ICT इंफ्रास्ट्रक्चर और तकनीकी समन्वय का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया। माननीय राज्यपाल का बहु-दिवसीय कार्यक्रम भारत विकास परिषद द्वारा शिव ज्योति कॉन्वेंट स्कूल ऑडिटोरियम में आयोजित "सेवा संगम" कार्यक्रम के साथ शुरू हुआ। इसके पश्चात कई उच्च स्तरीय शैक्षणिक कार्यक्रम हुए, जिनमें 22 जनवरी 2026 को कोटा विश्वविद्यालय में एक राष्ट्रीय सेमिनार और वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी में एक दीक्षांत समारोह शामिल था; और यह कार्यक्रम 23 जनवरी 2026 को SIAM ऑडिटोरियम में कोटा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के साथ संपन्न हुआ। इन महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने हेतु NIC कोटा ने सर्किट हाउस एवं सभी कार्यक्रम स्थल पर कंट्रोल रूम स्थापित किए। उच्च मानकों व निर्बाध सेवाएं बनाए रखने के लिए तकनीकी व मंत्रालयिक कार्मिकों को 8-8 घंटे की पारियों में तैनात किया गया।

NIC के महानिदेशक ने राजस्थान राज्य का दौरा किया

श्री अभिषेक सिंह, महानिदेशक, NIC और CEO, India AI Mission, भारत सरकार ने 6 जनवरी 2026 को क्षेत्रीय AI प्रभाव सम्मेलन के लिए जयपुर का दौरा किया और विभिन्न बैठकों तथा उद्घाटन समारोहों में भाग लिया। महानिदेशक ने उद्घाटन सत्र में भाग लिया, जिसकी अध्यक्षता श्री अश्विनी वैष्णव, माननीय इलेक्ट्रॉनिक्स और IT मंत्री, भारत सरकार (वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से), श्री भजन लाल शर्मा, माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान, श्री जितिन प्रसाद, माननीय राज्य मंत्री, इलेक्ट्रॉनिक्स और IT, भारत सरकार और कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, माननीय IT&C मंत्री, राजस्थान ने की। श्री रवि कुमार सुरपुर, सचिव, IT&C, राजस्थान और श्री हिमांशु गुप्ता, आयुक्त, IT&C, राजस्थान ने भी मंच साझा किया। DG NIC ने 'नवाचार और समावेशन के लिए AI का लोकतंत्रीकरण' विषय पर राजस्थान क्षेत्रीय AI प्रभाव सम्मेलन 2026 को संबोधित किया। उन्होंने डेटा को एक नई मुद्रा और एक रणनीतिक राष्ट्रीय संपत्ति के रूप में वर्णित किया। उन्होंने India AI Mission जैसी पहलों के माध्यम से संपूर्ण AI स्टैक, डेटा केंद्रों और अनुप्रयोगों में क्षमता निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने NIC जिला केंद्र, टोंक द्वारा विकसित 'PadhaiWithAI' पहल की भी सराहना की। भारत में आगामी वैश्विक AI सम्मेलन के लाभों और तैयारियों पर भी चर्चा की गई। SIO राजस्थान, डॉ. पी. गायत्री ने NIC राज्य केंद्र, सचिवालय, जयपुर के दौरे पर महानिदेशक का स्वागत किया। महानिदेशक ने NOC, लेखा, NICSI सहित NIC के विभिन्न अनुभागों का दौरा किया और अधिकारियों के साथ बातचीत की। उन्होंने राज्य केंद्र पर उपलब्ध बुनियादी ढांचे की भी समीक्षा की। SIO राजस्थान ने उन्हें राज्य के NIC परियोजनाओं और गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। नेटवर्क विभाग के प्रमुख (HOD), श्री अजीत जैन ने उन्हें राज्य में बुनियादी ढांचे की उपलब्धता और नेटवर्क आवश्यकताओं के बारे में अवगत कराया।

RAJNIC
An e-Governance Newsletter of
NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (जनवरी से मार्च 2026)

महत्वपूर्ण आयोजन / घटनाएँ

मुख्य सचिव ने की "PadhaiWithAI" पहल की समीक्षा

22 मार्च 2026 को टोंक ज़िले के आधिकारिक दौरे के दौरान, माननीय मुख्य सचिव ने APRI का दौरा किया और महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की समीक्षा की। इस दौरे की मुख्य बातों में से एक था "PadhaiWithAI" का प्रस्तुतीकरण, जो NIC टोंक द्वारा विकसित एक अभिनव शिक्षण मंच है। यह मंच विशेष रूप से RBSE कक्षा 10 के गणित के छात्रों के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह AI का उपयोग करके हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में व्यक्तिगत अभ्यास और तत्काल समाधान प्रदान करता है। वर्तमान में, ज़िले के सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूलों के 12,000 से अधिक छात्र इस मंच का उपयोग कर रहे हैं।

प्रस्तुतिकरण के दौरान साझा किए गए कुछ प्रमुख लाभों में शामिल थे:

- गणित में छात्रों की रुचि और अभ्यास में वृद्धि
- शिक्षकों और प्रशासकों के लिए डैशबोर्ड के माध्यम से रीयल-टाइम निगरानी
- प्रत्येक छात्र के स्तर के आधार पर व्यक्तिगत शिक्षण

मुख्य सचिव ने इस पहल की सराहना की और ऐसे AI-आधारित समाधानों को और अधिक जगहों पर लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया। ज़िला कलेक्टर श्रीमती कल्पना अग्रवाल और ज़िला सूचना अधिकारी (DIO) श्री सुशील अग्रवाल ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से "PadhaiWithAI" मंच के काम करने के तरीके और इसके द्वारा लाए गए सकारात्मक प्रभाव के बारे में विस्तार से बताया।

NIC ज़िला केंद्रों का राजस्थान राज्य समन्वयक और SIO द्वारा दौरा

16 से 19 मार्च 2026 तक, श्री नवीन कुमार, DDG और राज्य समन्वयक NIC राजस्थान, ने डॉ. पी. गायत्री, राज्य सूचना विज्ञानं अधिकारी (SIO) राजस्थान के साथ मिलकर, जोधपुर और पाली के NIC जिला केंद्रों का दौरा किया। NIC जोधपुर में, राज्य समन्वयक और SIO ने जिला टीम के साथ समीक्षा बैठकें कीं, जिसमें चल रही ICT परियोजनाओं, विभागीय गतिविधियों व स्थानीय नवाचारों की प्रगति का आकलन किया गया। भविष्य की रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की गई, और कार्यान्वयन को मजबूत करने तथा डिजिटल सेवाओं की प्रभावी डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया। 18 मार्च 2026 को, उन्होंने NIC पाली जिला केंद्र का दौरा किया, जहाँ श्री कपिल उज्ज्वल, DIO पाली, ने NIC कर्मचारियों के साथ मिलकर उनका स्वागत किया। टीम ने गणमान्य व्यक्तियों को ICT परियोजनाओं, बुनियादी ढांचे, नेटवर्क और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। राज्य समन्वयक और SIO ने श्री लक्ष्मी नारायण मंत्री, जिला कलेक्टर पाली के साथ भी बातचीत की, जिसमें जिला प्रशासन को सहायता देने और सेवा वितरण को बेहतर बनाने में NIC की भूमिका पर चर्चा की गई। इन दौरों ने NIC की उस प्रतिबद्धता को दर्शाया जिसके तहत वह मजबूत तकनीकी समाधानों के माध्यम से जिला प्रशासनों को सशक्त बनाने, नवाचार को बढ़ावा देने और जमीनी स्तर पर सहयोग को मजबूत करने का कार्य कर रहा है। NIC राजस्थान के सभी जिलों में डिजिटल परिवर्तन को आगे बढ़ाता हुआ प्रौद्योगिकी के माध्यम से प्रभावी शासन सुनिश्चित कर रहा है।

"द विज़न राजस्थान–2026 मेगा प्रदर्शनी" में NIC की भागीदारी

Alpa Choudhary, District Collector, Sirohi | Quiz by Sh. Anil Kumar Jain SD(IT), Sh. O.P.Gupta D(IT) & Prize by Sh. Mahendra Singh Kachhwaha JD(IT)/DIO | Snap Principal Govt. College, Sirohi with faculties | Vision Rajasthan-2026 Exhibition Participation Memento received by NIC staff.

माननीय सांसद श्री लुंबाराम चौधरी के नेतृत्व में सिरोही जिले में 19 से 21 जनवरी 2026 तक 'विजन राजस्थान–2026 मेगा प्रदर्शनी' का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला सूचना विज्ञानं केंद्र, सिरोही तथा NIC राजस्थान, जयपुर के वरिष्ठ अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रदर्शनी के दौरान NIC द्वारा 'डिजिटल इंडिया' की विभिन्न नागरिक-केंद्रित सेवाओं—जैसे DigiLocker, UMANG, e-Panjiyan, अपना खाता, भू-नक्शा और mParivahan—का प्रदर्शन किया गया। स्कूलों एवं कॉलेजों के छात्रों ने इन प्लेटफॉर्म्स में विशेष रुचि दिखाते हुए उनके व्यावहारिक उपयोग के बारे में जानकारी प्राप्त की।

शैक्षणिक एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म—जैसे 'PadhaiWithAI', राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल, ShalaDarpan एवं Skill India—पर विशेष जोर दिया गया, जिससे छात्रों को सीखने की प्रक्रिया और शासन-प्रशासन में प्रौद्योगिकी की भूमिका समझने में सहायता मिली। साथ ही, इंटरएक्टिव क्विज प्रतियोगिताओं में छात्रों एवं आगंतुकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह प्रदर्शनी डिजिटल गवर्नेंस को सुदृढ़ करने, सेवा वितरण में सुधार लाने तथा नागरिकों और विद्यार्थियों के बीच ई-गवर्नेंस पहलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में NIC की भूमिका को प्रभावी रूप से उजागर करती है।

भारत विस्तार के शुभारंभ के लिए तकनीकी सहायता

माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, श्री शिवराज सिंह चौहान ने 17 फरवरी 2026 को ICAR-NRCSS, ताबीजी, अजमेर में कृषि क्षेत्र के लिए एक बहुभाषी AI-आधारित संवादात्मक परामर्श प्रणाली, 'भारतविस्तार' के राष्ट्रीय शुभारंभ का उद्घाटन किया और उसे संबोधित किया। इस कार्यक्रम के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए NIC ने संपूर्ण तकनीकी और ICT सहायता प्रदान की। पूरे कार्यक्रम के दौरान निर्बाध लाइव तकनीकी समन्वय बनाए रखा गया। ICAR और संबंधित विभागों को आवश्यक तकनीकी सहायता और मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कनेक्टिविटी और सिस्टम एकीकरण सहित समस्त बुनियादी ढांचा, बहुत ही कम समय सीमा के भीतर कुशलतापूर्वक स्थापित और परीक्षित किया गया, जिससे एक सफल और निर्बाध शुभारंभ सुनिश्चित हो सका।

ADA आवास योजना के लिए ऑनलाइन लॉटरी आयोजित

29 जनवरी 2026 को अजमेर के जवाहर रंगमंच में, ADA श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर आवास योजना के लिए ऑनलाइन लॉटरी के सफल आयोजन हेतु तकनीकी सहायता प्रदान की गई। आवासीय भूखंडों के लिए एक पारदर्शी और निष्पक्ष आवंटन प्रक्रिया सुनिश्चित करने हेतु, एक विशेष रूप से तैयार NIC लॉटरी सॉफ्टवेयर मॉड्यूल लागू किया गया। इस प्रणाली ने 3,950 आवेदनों को कुशलतापूर्वक संसाधित किया और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) तथा निम्न आय वर्ग (LIG) श्रेणियों के अंतर्गत पात्र आवेदकों को 201 भूखंडों का निष्पक्ष आवंटन सुनिश्चित किया। NIC ने आवश्यक तकनीकी सहायता, सिस्टम परिनियोजन और समन्वय प्रदान करके इस कार्यक्रम का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया, जिसके परिणामस्वरूप एक निर्बाध और विश्वसनीय आवंटन प्रक्रिया संपन्न हुई।

RAJNIC
An e-Governance Newsletter of
NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (जनवरी से मार्च 2026)

महत्वपूर्ण आयोजन / घटनाएँ

सड़क सुरक्षा पर क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित

30 जनवरी 2026 को राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर में सड़क सुरक्षा पर एक क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई। सभी जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और iRAD जिला रोल-आउट प्रबंधकों ने इस कार्यशाला में भाग लिया, जिससे यह वास्तव में एक राज्यव्यापी प्रयास बन गया। श्री अनिल पालीवाल, IPS, पुलिस महानिदेशक (यातायात) ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की, जिसमें पुलिस विभाग, NIC राजस्थान और परिवहन विभाग के वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तिगण उपस्थित रहे। डॉ. पी. गायत्री, DDG और SIO राजस्थान ने 'राजस्थान में सड़क सुरक्षा' विषय पर मुख्य भाषण देकर दिन के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। अतिथियों का पौधों के गुलदस्तों से स्वागत किया गया और उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया, जो आपसी सहयोग की भावना को दर्शाता है। तकनीकी सत्रों में सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने में NIC की महत्वपूर्ण भूमिका को प्रदर्शित किया गया। श्री श्रीपाल यादव, वरिष्ठ निदेशक (IT), श्री किशोर तनवानी, निदेशक (IT), और श्री आशुतोष भट्ट, परियोजना प्रबंधक (NIC) ने सड़क सुरक्षा के लिए IT उपकरणों, iRAD eDAR ओरिएंटेशन, डेटा-आधारित दृष्टिकोणों और सड़क एजेंसियों सहित सभी हितधारकों के लिए eDAR के महत्व पर सार्थक चर्चाओं का नेतृत्व किया। उनके योगदानों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे प्रौद्योगिकी और नवाचार, कानून प्रवर्तन और प्रबंधन के तरीकों को नया रूप दे रहे हैं। iRAD जिला रोल-आउट प्रबंधकों के प्रयासों की भी सराहना की गई, और जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को मान्यता दी गई। कार्यशाला का समापन श्री श्रीपाल यादव द्वारा दिए गए हार्दिक 'धन्यवाद ज्ञापन' के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने सभी गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम ने राजस्थान में सुरक्षित सड़कों की दिशा में अपनाए गए सामूहिक दृष्टिकोण को और अधिक सुदृढ़ किया, तथा सड़क सुरक्षा के लिए डिजिटल समाधानों को आगे बढ़ाने में NIC की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

'जागृति 2026' मेगा प्रदर्शनी में NIC द्वारा डिजिटल गवर्नेंस का प्रभावशाली प्रदर्शन

NIC जैसलमेर ने 'जागृति 2026' मेगा प्रदर्शनी में सक्रिय रूप से भाग लेते हुए अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। यह प्रदर्शनी 26 से 28 फरवरी 2026 तक जैसलमेर में आयोजित हुई, जिसमें माननीय राज्यसभा सांसद श्री चुन्नीलाल गरासिया का नेतृत्व रहा। प्रदर्शनी के दौरान NIC का पवेलियन लोगों के लिए खास आकर्षण का केंद्र रहा। यहाँ डिजिटल इंडिया के तहत चल रही विभिन्न सेवाओं और पहलों को आसान और समझने योग्य तरीके से प्रस्तुत किया गया। आगंतुकों को बताया गया कि कैसे डिजिटल तकनीक की मदद से सरकारी सेवाएं अब ज्यादा पारदर्शी, तेज और सुलभ बन रही हैं।

NIC टीम ने e-Courts, e-Office जैसी प्रमुख सेवाओं के साथ-साथ कई राज्य स्तरीय डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की जानकारी दी। लाइव डेमो और बातचीत के माध्यम से लोगों को इन सेवाओं के उपयोग और फायदों के बारे में समझाया गया। इस दौरान स्टॉल पर सरकारी अधिकारी, छात्र और आम नागरिक बड़ी संख्या में पहुंचे और उन्होंने काफी रुचि दिखाई। इससे लोगों में डिजिटल सेवाओं को लेकर जागरूकता और समझ बढ़ी। 'जागृति 2026' में भागीदारी के जरिए NIC ने एक बार फिर यह दिखाया कि वह देश में डिजिटल गवर्नेंस को मजबूत करने और आम लोगों तक बेहतर सेवाएं पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

स्मार्ट टेक, सुरक्षित विकल्प: राजस्थान सेफ़र इंटरनेट दिवस 2026 में सबसे आगे

10 फरवरी 2026 को, राजस्थान ने "स्मार्ट टेक, सुरक्षित विकल्प – AI के सुरक्षित और ज़िम्मेदार इस्तेमाल की खोज" की वैश्विक थीम के तहत 'सुरक्षित इंटरनेट दिवस' मनाया। ISEA प्रोजेक्ट के तहत MeitY द्वारा समन्वित, NIC राजस्थान की सक्रिय भागीदारी और DoIT&C के सहयोग से, इस अभियान ने साइबर स्वच्छता और रोज़मर्रा के जीवन में AI के ज़िम्मेदार इस्तेमाल – दोनों पर जोर दिया। डॉ. पी. गायत्री, DDG और SIO NIC राजस्थान के नेतृत्व में ज़िला केंद्रों ने छात्रों, महिलाओं और अधिकारियों के लिए कार्यशालाएँ आयोजित कीं; साथ ही पुलिस, शिक्षा और वित्त जैसे क्षेत्रों के लिए विशेष सत्र भी रखे गए। स्कूलों और कॉलेजों में डिजिटल डिस्प्ले, बैनर और इंटरैक्टिव कार्यक्रमों के ज़रिए सामुदायिक पहुँच को मज़बूत किया गया; जहाँ क्विज़, चित्रकला प्रतियोगिताओं और प्रदर्शनों के माध्यम से युवाओं को जोड़ा गया, जिससे उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा मिला। सुरक्षित इंटरनेट दिवस के उत्सव में AI जागरूकता मॉड्यूल पर विशेष ज़ोर दिया गया, जिसमें AI से जुड़े अवसरों और जोखिमों के बारे में जानकारी दी गई। ज़मीनी स्तर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए इस अभियान को ब्लॉक और तहसील स्तर तक पहुँचाया गया। इस पहल के माध्यम से हज़ारों नागरिकों तक पहुँच बनाई गई, और उन्हें साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी से बचाव तथा AI के ज़िम्मेदार इस्तेमाल के संबंध में व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया गया। NIC, जिला प्रशासन और शैक्षणिक संस्थानों के बीच आपसी सहयोग ने एक बहु-क्षेत्रीय दृष्टिकोण सुनिश्चित किया; वहीं, AI के जिम्मेदार इस्तेमाल पर दिया गया जोर वैश्विक रुझानों के अनुरूप एक प्रगतिशील कदम साबित हुआ।

RAJNIC
An e-Governance Newsletter of
NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (जनवरी से मार्च 2026)

महत्वपूर्ण आयोजन / घटनाएँ

NIC राजस्थान ने UX4G वर्कशॉप के माध्यम से अपनी UX क्षमताओं को सुदृढ़ किया

NIC राजस्थान ने 19-20 जनवरी 2026 को जयपुर के राजस्थान सेंटर फॉर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी में UX4G पहल के तहत, User Experience और Design Systems पर आयोजित दो-दिवसीय वर्कशॉप में भाग लेकर नागरिक-केंद्रित डिजिटल सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। इस वर्कशॉप में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें NIC अधिकारी, डेवलपर्स और प्रोग्रामर शामिल थे। कई लोगों के लिए, यह सिर्फ़ एक और सेशन नहीं था, बल्कि यह एक ऐसा मौका था जब वे रुककर इस बात पर पुनः विचार कर सकें कि नागरिक वास्तव में सरकारी प्लेटफ़ॉर्म का अनुभव कैसे करते हैं। चर्चाएँ सिर्फ़ थ्योरी तक ही सीमित नहीं रहीं। इन सैशन का मुख्य उद्देश्य NIC टीमों को UI/UX की बुनियादी बातों, UX4G मानकों, एक्सेसिबिलिटी फ्रेमवर्क, UX ऑडिट कार्यप्रणालियों और Figma का उपयोग करके डिज़ाइन प्रोटोटाइपिंग के व्यावहारिक ज्ञान से लैस करना था। जन सूचना पोर्टल जैसे वास्तविक दुनिया के केस स्टडीज़ के माध्यम से, प्रतिभागियों ने यह समझा कि किस तरह सोच-समझकर किया गया डिज़ाइन सीधे तौर पर सेवा वितरण के परिणामों को बेहतर बनाता है। वर्कशॉप के दौरान बार-बार दोहराया गया एक मुख्य संदेश यह था कि डिजिटल शासन पहलों की सफलता न केवल मजबूत तकनीक पर, बल्कि सहज और समावेशी उपयोगकर्ता अनुभव पर भी निर्भर करती है—एक ऐसा क्षेत्र जहाँ NIC सक्रिय रूप से अपनी संस्थागत क्षमता का निर्माण कर रहा है। यह पहल NIC राजस्थान के डिज़ाइन प्रथाओं को मानकीकृत करने, सेवाओं की पहुँच को बेहतर बनाने और नागरिकों के लिए उच्च-प्रभाव वाले, उपयोगकर्ता-अनुकूल डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म उपलब्ध कराने के निरंतर प्रयासों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस वर्कशॉप के साथ, NIC टीमें अब ऐसी सेवाएँ डिज़ाइन करने के लिए बेहतर रूप से तैयार हैं जो न केवल कार्यात्मक हैं, बल्कि उपयोग करने में वास्तव में आसान और समावेशी भी हैं। अधिक जानकारी के लिए यहाँ जाएँ: https://www.ux4g.gov.in/

एनआईसी राजस्थान ने भूमि रिकॉर्ड तक आसान पहुंच के लिए 'अपना खाता' ऐप लॉन्च किया

नागरिकों, विशेष रूप से किसानों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से, NIC राजस्थान ने "अपना खाता" मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किया है। इसे 28 जनवरी 2026 को माननीय राजस्व एवं उपनिवेश मंत्री, श्री हेमंत मीणा द्वारा, डॉ. पी. गायत्री (DDG और SIO राजस्थान) तथा NIC के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में लॉन्च किया गया। यह ऐप मौजूदा "अपना खाता" पोर्टल पर आधारित है और उसे और अधिक सुलभ बनाता है। अब उपयोगकर्ताओं को कार्यालयों के चक्कर लगाने या बिचौलियों पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है; वे अपने मोबाइल फोन से ही भूमि रिकॉर्ड की जांच कर सकते हैं। "ApnaKhata" नाम से उपलब्ध यह ऐप उपयोगकर्ताओं को निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करता है: • जमाबंदी देखना और डाउनलोड करना • खसरा संख्या या नाम का उपयोग करके भूमि का विवरण खोजना • खसरा मानचित्रों तक पहुंच प्राप्त करना। कई नागरिकों के लिए, यह केवल एक सुविधा से कहीं अधिक है; यह समय बचाता है, परेशानियों को कम करता है, और उन्हें अपने स्वयं के रिकॉर्ड पर नियंत्रण का एहसास कराता है। यह पहल सरकारी सेवाओं को अधिक सरल, पारदर्शी और सभी के लिए सुलभ बनाने की दिशा में NIC राजस्थान के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है।

NIC राजस्थान ने जयपुर में PM-Kisan कार्यक्रम के लिए सुचारू कनेक्टिविटी सुनिश्चित की

NIC राजस्थान ने 13 मार्च 2026 को जयपुर के SIAM, दुर्गापुरा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम 'PM-Kisan उत्सव दिवस' के सफल आयोजन में संपूर्ण तकनीकी सहयोग प्रदान किया। यह कार्यक्रम माननीय मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से असम में आयोजित माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम से जोड़ा गया। इस दौरान PM-KISAN योजना की 22वीं किस्त जारी की गई, जिससे देशभर के 9.32 करोड़ से अधिक किसानों को लाभ मिला।
NIC टीम ने पूरे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सेटअप को संभालते हुए शुरुआत से लेकर लाइव प्रसारण तक हर चरण को सुचारु रूप से संचालित किया। स्थिर कनेक्टिविटी, स्पष्ट ऑडियो-वीडियो गुणवत्ता और मुख्य कार्यक्रम के साथ रियल-टाइम समन्वय सुनिश्चित किया गया।
इस सफल आयोजन के माध्यम से NIC ने एक बार फिर यह साबित किया कि वह बड़े और महत्वपूर्ण सरकारी कार्यक्रमों के लिए भरोसेमंद, सुरक्षित और मजबूत डिजिटल ढांचा उपलब्ध कराने में पूरी तरह सक्षम है।

NIC टोंक ने 'अलबेलो राजस्थान' कार्यक्रम में 'शिक्षा में AI' पर अपने विचार साझा किये

NIC टोंक ने हाल ही में 16 मार्च 2026 को जयपुर से प्रसारित दूरदर्शन के कार्यक्रम 'अलबेलो राजस्थान' पर एक लाइव सत्र के माध्यम से उभरती हुई टेक्नोलॉजी पर अपना दृष्टिकोण व्यापक दर्शकों तक पहुँचाया। इस चर्चा में ज़िला कलेक्टर श्रीमती कल्पना अग्रवाल और NIC टोंक के DIO श्री सुशील कुमार अग्रवाल शामिल थे, और इसका मुख्य विषय था "AI के साथ पढ़ाई कैसे करें" – यानी छात्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके अपनी पढ़ाई को और अधिक प्रभावी कैसे बना सकते हैं। यह बातचीत पूरी तरह से व्यावहारिक रही, जिसमें इस बात पर चर्चा की गई कि AI टूल्स किस तरह से विषयों को समझने, पढ़ाई के समय को व्यवस्थित करने और सीखने की प्रक्रिया को और अधिक व्यक्तिगत बनाने में मदद कर सकते हैं। इसमें इस बात पर भी चर्चा हुई कि टेक्नोलॉजी किस तरह से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच में आने वाली कमियों को दूर कर सकती है। NIC की भागीदारी ने AI टूल्स के उन व्यावहारिक उपयोगों पर ज़ोर दिया, जो व्यक्तिगत रूप से सीखने (personalized learning) को संभव बनाने, पढ़ाई की दक्षता में सुधार करने और छात्रों की सक्रिय भागीदारी को बढ़ाने में सहायक होते हैं। इस चर्चा ने यह दर्शाया कि किस तरह से टेक्नोलॉजी-आधारित दृष्टिकोण शिक्षा को और अधिक सुलभ बना सकते हैं, और उसे हर व्यक्ति की अपनी-अपनी ज़रूरतों के अनुरूप ढाल सकते हैं।

NIC ने IAF अभ्यास – "Iron Fist 2026" के दौरान VVIP दौरे के लिए सुदृढ़ ICT बुनियादी ढाँचा स्थापित किया

नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर (NIC) ने 28 फरवरी 2026 को जैसलमेर में आयोजित भारतीय वायु सेना के अभ्यास – "आयरन फिस्ट 2026" के दौरान व्यापक ICT सहायता प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम में भारत के माननीय राष्ट्रपति के साथ-साथ अन्य विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों, जिनमें माननीय रक्षा मंत्री, माननीय राज्यपाल और राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री शामिल थे। राष्ट्रपति के कैंप कार्यालय के दौरे के दौरान निर्बाध संचार और परिचालन दक्षता सुनिश्चित करने के लिए, NIC ने लगभग 100 किलोमीटर के दायरे में फैले लगभग 10 स्थानों पर एक सुदृढ़ ICT बुनियादी ढांचा स्थापित किया। इसके अंतर्गत में राष्ट्रपति के कार्यालय परिसर और अन्य VVIP स्थानों पर कंप्यूटर, प्रिंटर, फैक्स मशीन, हॉटलाइन कनेक्शन और STD/ISD टेलीफोन सेवाओं जैसी आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था और तैनाती शामिल थी। भौगोलिक स्थानों के व्यापक फैलाव के कारण उत्पन्न हुई लॉजिस्टिक चुनौतियों के बावजूद, NIC ने निर्बाध कनेक्टिविटी और सभी संचार प्रणालियों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित किया, जिससे विभिन्न एजेंसियों के बीच प्रभावी समन्वय संभव हो सका। NIC के समर्पित प्रयासों और समय पर कार्यों के निष्पादन की राष्ट्रपति कार्यालय की टीम के साथ-साथ जैसलमेर के जिला कलेक्टर द्वारा भी अत्यधिक सराहना की गई, जिसने महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रमों के प्रबंधन में NIC की दक्षता और प्रतिबद्धता को उजागर किया।

साइबर सुरक्षा सुझाव

डीप फेक वॉइस स्कैम से सावधान रहें !

अत्यंत ज़रूरी अनुरोधों पर कार्रवाई करने से पहले, हमेशा किसी भरोसेमंद माध्यम से कॉल करने वाले की पहचान की पुष्टि करें– भले ही उसकी आवाज़ कितनी भी विश्वसनीय क्यों न लगे।

RAJNIC
An e-Governance Newsletter of:
NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (जनवरी से मार्च 2026)

त्रैमासिक प्रोजेक्ट: SNA स्पर्श

मुकेश कुमार शर्मा
वरिष्ठ निदेशक (IT)
NIC - राजस्थान राज्य केंद्र

भारत सरकार ने SNA SPARSH (समयोजित प्रणाली एकीकृत शीघ्र हस्तांतरण के लिए एकल नोडल एजेंसी प्रणाली) योजना को एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में शुरू किया है, जिसका उद्देश्य फंड के प्रवाह को सुव्यवस्थित करना, पारदर्शिता बढ़ाना और सार्वजनिक फंड का कुशल उपयोग सुनिश्चित करना है। राजस्थान इस योजना को सफलतापूर्वक लागू करने वाले अग्रणी राज्यों में से एक रहा है, जिसने सुदृढ़ शासन, डिजिटल नवाचार और प्रशासनिक दक्षता का प्रदर्शन किया है।

SNA SPARSH की मुख्य संरचना: यह प्रणाली तीन प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म के बीच एक त्रि-पक्षीय एकीकरण के माध्यम से संचालित होती है-

1. PFMS (सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली): यह योजना के दिशानिर्देशों और "मदर सैंक्शन" (मुख्य स्वीकृतियों) के लिए एक केंद्रीय कोष के रूप में कार्य करता है।
2. IFMS 3.0 (राजस्थान): यह राज्य-स्तरीय इंजन है, जहाँ बिलों को संसाधित किया जाता है और व्यय की प्रक्रिया शुरू की जाती है।
3. RBI e-Kuber: यह अंतिम संवितरण द्वार है, जो लाभार्थियों या विक्रेताओं को सीधे भुगतान निष्पादित करता है।

SNA SPARSH का उद्देश्य- SNA SPARSH फ्रेमवर्क का लक्ष्य है:

- फंड की समय पर (just-in-time) रिलीज़ सुनिश्चित करना।
- कई स्तरों पर फंड के जमाव (parking) को कम करना।
- खर्चों की रियल-टाइम ट्रैकिंग और मिलान (reconciliation) को सक्षम बनाना।
- वित्तीय अनुशासन और जवाबदेही को मज़बूत करना।

राजस्थान में SNA SPARSH का विकास - राजस्थान ने SNA SPARSH सिस्टम के विकास के लिए एक मज़बूत और व्यवस्थित तरीका अपनाया है, इसे राज्य एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (IFMS) के साथ एकीकृत किया गया है।

विकास की मुख्य बातें इस प्रकार हैं:

- निर्बाध फंड प्रबंधन के लिए IFMS के साथ एकीकरण।
- भूमिका-आधारित वर्कफ़्लो सिस्टम (Maker, Checker, Approver)।
- रियल-टाइम लेनदेन निगरानी और रिपोर्टिंग डैशबोर्ड।
- केंद्रीय प्रणालियों के साथ इंटरऑपरेबिलिटी के लिए मानकीकृत API।

कार्यान्वयन रणनीति - राजस्थान में SNA SPARSH का कार्यान्वयन चरणबद्ध और व्यवस्थित तरीके से किया गया:

चरण1: सिस्टम डिज़ाइन और योजना

- आवश्यकता विश्लेषण और सिस्टम आवश्यकताओं की तैयारी।
- भारत सरकार (GoI) के दिशानिर्देशों और वित्तीय नियमों के साथ तालमेल।

चरण2: विकास और एकीकरण

- फंड आवंटन, रिलीज़, उपयोग और मिलान के लिए मॉड्यूल का विकास।
- PFMS और बैंकिंग प्रणालियों के साथ एकीकरण।

चरण3: परीक्षण और परिनियोजन (Deployment)

- विकास और स्टेजिंग वातावरण में व्यापक परीक्षण।
- चरणबद्ध तरीके से सभी विभागों में परिनियोजन।

चरण4: क्षमता निर्माण

- विभागीय उपयोगकर्ताओं और हितधारकों के लिए प्रशिक्षण सत्र।
- उपयोगकर्ता नियमावली और तकनीकी दस्तावेज़ों की तैयारी।

तकनीकी स्टैक (Technology Stack)

- माइक्रो-सर्विस आधारित आर्किटेक्चर
- Angular का उपयोग करके विकसित फ्रंटएंड
- Oracle का उपयोग करके बैकएंड और डेटाबेस

सिस्टम की मुख्य विशेषताएं

- फंड की रियल-टाइम ट्रैकिंग और उसके इस्तेमाल की निगरानी।
- बेहतर पारदर्शिता और देरी में कमी।
- निर्णय लेने के लिए एक केंद्रीकृत डैशबोर्ड।
- सुरक्षित और स्केलेबल आर्किटेक्चर।

उपलब्धियां और प्रभाव: राजस्थान में SNA SPARSH के सफल कार्यान्वयन से वित्तीय प्रशासन में महत्वपूर्ण सुधार हुए हैं:

- फंड के इस्तेमाल में बेहतर दक्षता।
- निष्क्रिय फंड और देरी में कमी।
- बेहतर पारदर्शिता और जवाबदेही।
- निगरानी और रिपोर्टिंग तंत्र को मजबूती।

10 से अधिक राज्यों के आधिकारिक प्रतिनिधि मंडलों ने इस सिस्टम का अध्ययन करने और इसे अपने राज्यों में लागू करने की संभावनाओं को जानने के लिए राजस्थान का दौरा किया है।

वित्तीय प्रोत्साहन की उपलब्धि

इसके प्रभावी कार्यान्वयन की मान्यता के तौर पर, राजस्थान को भारत सरकार से 700 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन मिला है। यह उपलब्धि सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन और डिजिटल प्रशासन में सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

SNA – SPARSH (समयोचित प्रणाली एकीकृत शीघ्र हस्तांतरण)

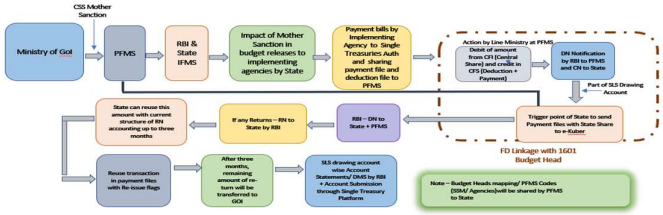

निष्कर्ष: राजस्थान में SNA SPARSH योजना का कार्यान्वयन अन्य राज्यों के लिए एक मिसाल है। टेक्नोलॉजी का लाभ उठाकर, सिस्टम को एकीकृत करके और सख्त वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करके, राजस्थान ने सार्वजनिक धन के प्रबंधन में पारदर्शिता और दक्षता को सफलतापूर्वक बढ़ाया है। 700 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन राज्य के दृष्टिकोण की प्रभावशीलता और राष्ट्रीय उद्देश्यों के साथ इसके तालमेल को और मजबूत करता है। राजस्थान अपने डिजिटल शासन इकोसिस्टम को लगातार मजबूत कर रहा है और पारदर्शिता तथा जवाबदेही के साथ नागरिक-केंद्रित सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

पुरस्कार / सम्मान

NIC राजस्थान ने डिजिटल उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित 'टेक्नोलॉजी सभा पुरस्कार 2026' जीता।

पहचान पोर्टल: राजस्थान के एकीकृत नागरिक पंजीकरण प्रणाली (CRS)

ई-पंजीयन पोर्टल: पंजीकरण एवं मुद्रांक विभाग का एक आधारस्तंभ

AI के साथ पढ़ाई: "लक्ष्य 2025" अभियान के तहत टोंक में विकसित किया गया।

चंद्रेश कुमार को गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर SIR गतिविधियों में उनके अनुकरणीय योगदान और NIC, जैसलमेर के अंतर्गत प्रमुख IT परियोजनाओं के सफल कार्यान्वयन के लिए सम्मानित किया गया।

श्री अमित भिवानी, ASIO और वरिष्ठ निदेशक (IT), तथा श्री प्रेम शंकर चोबिसा, निदेशक (IT), राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC), जयपुर, राजस्थान को मुख्य सचिव श्री वोरुगंती श्रीनिवास द्वारा प्रतिष्ठित 'गणतंत्र दिवस पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

परियोजना लेन-देन सांख्यिकी

SN	Project	Number of Transactions			Total Trans.
		Jan-26	Feb-26	Mar-26	
1	DBT through Pay Manager	16596613	15946730	12597282	45140625
2	DILRMP ROR	5963939	4221170	3867474	14052583
3	Shala Darpan	5658403	3849012	6668562	16175977
4	IFMS - Rajkosh Challans	1577581	1705841	1964216	5247638
5	eGras	1346712	1392886	1669288	4408886
6	IFMS - Rajkosh Bills	403784	470618	647335	1521737
7	Pay Manager Other Bills	218717	221825	329725	770267
8	Registration and Stamps	226302	239846	218047	684195
9	E-Transport Vehicle Registration	153405	128068	159939	441412
10	E-Transport Driving Licence	70895	60300	57384	188579

RAJNIC
An e-Governance Newsletter of NIC RAJASTHAN
त्रैमासिक डिजिटल समाचार पत्र (जनवरी से मार्च 2026)

प्रौद्योगिकी वार्ता: UI/UX डिज़ाइन का परिचय

सुश्री वंदना
वैज्ञानिक/तकनीकी सहायक-ए
एनआईसी-जिला केंद्र, झालावाड़

आज के डिजिटल गवर्नेंस के माहौल में, किसी एप्लिकेशन की सफलता सिर्फ़ उसकी कार्यक्षमता से ही तय नहीं होती, बल्कि इस बात से भी तय होती है कि नागरिक उसे कितनी आसानी से इस्तेमाल कर पाते हैं। एक तकनीकी रूप से मज़बूत सिस्टम भी असफल हो सकता है, अगर यूज़र्स को वह उलझन भरा या इस्तेमाल करने में मुश्किल लगे। यहीं पर UI और UX डिज़ाइन की अहम भूमिका होती है। UI किसी एप्लिकेशन के दिखाई देने वाले और इंटरैक्टिव हिस्सों पर फ़ोकस करता है, जैसे कि फ़ॉर्म, बटन और लेआउट; जबकि UX उस पूरे अनुभव को तय करता है जो किसी यूज़र को सिस्टम के साथ इंटरैक्ट करते समय मिलता है। NIC द्वारा बनाए गए प्लेटफ़ॉर्म के लिए यह बात और भी ज़्यादा ज़रूरी हो जाती है, क्योंकि इसके यूज़र्स में डिजिटल रूप से कुशल प्रोफ़ेशनल्स से लेकर ग्रामीण इलाकों के ऐसे लोग भी शामिल होते हैं जो पहली बार इसका इस्तेमाल कर रहे होते हैं।

मुख्य उद्देश्य: सरलता, स्पष्टता और विश्वास

ई-गवर्नेंस सिस्टम में, डिज़ाइन का मतलब चीज़ों को सिर्फ़ देखने में आकर्षक बनाना नहीं है, बल्कि उन्हें इस्तेमाल करने लायक और भरोसेमंद बनाना है।

एक अच्छी तरह से डिज़ाइन किया गया इंटरफ़ेस: • हर कदम पर यूज़र्स को साफ़ तौर पर गाइड करता है। • भ्रम और बेवजह के कामों को कम करता है। • डिजिटल सेवाओं पर भरोसा बनाता है। उदाहरण के लिए, एक लंबे और मुश्किल सरकारी फ़ॉर्म को छोटे, निर्देशित चरणों में पुनः डिजाईन किया जा सकता है, जिससे यूज़र की गलतियाँ कम होती हैं और फ़ॉर्म पूरा होने की दर बेहतर होती है, वह भी बिना मूल सिस्टम में कोई बदलाव किए। UI/UX डिज़ाइन के मुख्य हिस्सों में शामिल हैं -

- यूज़र रिसर्च: यह समझना कि यूज़र्स कौन हैं, डिजिटल दुनिया में वे कितने सहज हैं, और वे किन डिवाइस या नेटवर्क का इस्तेमाल करते हैं।
- इन्फ़ॉर्मेशन आर्किटेक्चर: कंटेंट और सेवाओं को एक व्यवस्थित तरीके से संयोजित करना ताकि यूज़र्स आसानी से वह चीज़ ढूँढ़ सकें जिसकी उन्हें ज़रूरत है।
- वायरफ़्रेमिंग और प्रोटोटाइपिंग: डेवलपमेंट शुरू होने से पहले, सिस्टम कैसे काम करेगा, इसे विज़ुअलाइज़ करने के लिए बेसिक लेआउट और फ़्लो डायग्राम बनाना।
- विज़ुअल डिज़ाइन (UI लेयर): स्पष्टता बढ़ाने के लिए बटन, फ़ॉन्ट और फ़ॉर्म जैसे साफ़ और एक जैसे एलिमेंट डिज़ाइन करना।
- यूज़ेबिलिटी टेस्टिंग: सिस्टम को पूरी तरह से लागू करने से पहले, उसमें मौजूद समस्याओं की पहचान करने के लिए वास्तविक यूज़र्स के साथ सिस्टम की टेस्टिंग करना।

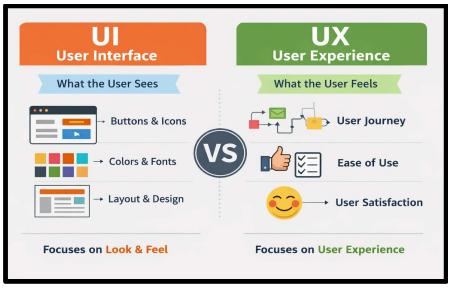

NIC में डिज़ाइन सिस्टम और मानकीकरण - NIC के बड़े पैमाने वाले वातावरण में, जहाँ अलग-अलग विभागों में कई एप्लिकेशन डेवलप किए जाते हैं, वहाँ एकरूपता बहुत ज़रूरी हो जाती है। यह डिज़ाइन सिस्टम के ज़रिए हासिल किया जाता है - यानी, दोबारा इस्तेमाल किए जा सकने वाले कंपोनेंट्स, स्टैंडर्ड लेआउट और डिज़ाइन गाइडलाइंस का एक सेट। मानकीकृत कंपोनेंट्स का इस्तेमाल करने से: • सभी पोर्टल्स पर एक जैसा अनुभव मिलता है। • डेवलपमेंट में लगने वाली मेहनत कम हो जाती है। • सिस्टम को बनाए रखना और उनका विस्तार करना आसान हो जाता है। उदाहरण के लिए, एक जैसे फ़ॉर्म लेआउट, वैलिडेशन मैसेज और नेविगेशन पैटर्न यूज़र्स को तेज़ी से ढलने में मदद करते हैं, भले ही वे अलग-अलग सरकारी सेवाओं के बीच स्विच कर रहे हों।

ई-गवर्नेंस में UI/UX की चुनौतियाँ - सार्वजनिक प्लेटफ़ॉर्म के लिए डिज़ाइन बनाने में असल दुनिया की कुछ रुकावटें शामिल होती हैं:

- डिजिटल साक्षरता में बहुत ज़्यादा अंतर।
- सीमित बैंडविड्थ और पुराने डिवाइस।
- कई भाषाओं वाले इंटरफ़ेस की ज़रूरत।
- आसान दिखने वाली सेवाओं के पीछे जटिल वर्कफ़्लो।

चुनौती यह है कि फ्रंट-एंड अनुभव को सरल बनाया जाए, लेकिन इसके पीछे के लॉजिक को ज़रूरत से ज़्यादा सरल न किया जाए। UI/UX के कार्यान्वयन में तकनीकी पहलू।

डिज़ाइन अवधारणाओं से परे, UI/UX में महत्वपूर्ण तकनीकी निर्णय भी शामिल होते हैं:

- रिस्पॉन्सिव डिज़ाइन: यह पक्का करना कि एप्लिकेशन मोबाइल, टैबलेट और डेस्कटॉप डिवाइस पर बिना किसी रुकावट के काम करें।
- एक्सेसिबिलिटी: सही कंट्रास्ट, लेबल और नेविगेशन सपोर्ट के ज़रिए सिस्टम को दिव्यांग लोगों के लिए भी इस्तेमाल लायक बनाना।
- परफ़ॉर्मेंस ऑप्टिमाइज़ेशन: हल्के इंटरफ़ेस डिज़ाइन करना जो कम बैंडविड्थ वाले नेटवर्क पर भी तेज़ी से लोड हों।
- फ़ॉर्म वैलिडेशन और एरर हैंडलिंग: गलत डेटा एंट्री को रोकने के लिए साफ़, रियल-टाइम फ़ीडबैक देना; ये फ़ैक्टर सीधे तौर पर इस बात पर असर डालते हैं कि यूज़र सरकारी सिस्टम के साथ कितनी कुशलता से इंटरैक्ट कर पाते हैं।

NIC प्रोजेक्ट्स में प्रासंगिकता: NIC में, सर्विस डिलीवरी पोर्टल, मॉनिटरिंग सिस्टम और मोबाइल एप्लिकेशन जैसे विकसित प्लेटफ़ॉर्म में, UI/UX तेज़ी से सिस्टम डिज़ाइन का एक मुख्य हिस्सा बनता जा रहा है। बेहतर UI/UX के निम्नलिखित फ़ायदे होते हैं: • डिजिटल सेवाओं को अधिक लोग अपनाते हैं • मैन्युअल त्रुटियाँ कम होती हैं • नागरिकों के अनुरोधों की प्रक्रिया तेज़ी से होती है। छोटे-छोटे सुधार भी, जैसे कि बेहतर नेविगेशन या स्पष्ट निर्देश, पूरे सिस्टम की प्रभावशीलता को काफ़ी हद तक बढ़ा सकते हैं।

निष्कर्ष: UI/UX डिज़ाइन सिर्फ़ स्क्रीन और लेआउट तक सीमित नहीं है; यह तकनीक को लोगों के लिए सुलभ और सार्थक बनाने के बारे में है। NIC के लिए, तकनीकी कार्यान्वयन के साथ-साथ यूज़र-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाना डिजिटल शासन को ओर अधिक सुदृढ़ बना सकता है, जिससे यह अधिक कुशल, समावेशी और प्रभावशाली बन जाता है।

Published By

संरक्षक
डॉ. पी. गायत्री, एस. आई. ओ. राजस्थान

संपादकीय बोर्ड

श्री अमित अग्रवाल वैज्ञानिक-'एफ'
श्री दिलीप जैन, वैज्ञानिक-'ई'
श्री विनोद कुमार शर्मा , वैज्ञानिक-'ई'
श्री हेमंत मेहता, वैज्ञानिक-'ई'
श्री मनीष कुमार शर्मा, वैज्ञानिक-'सी'
श्रीमती सोनिया तोमर, एसटीए-'ए'

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र
राजस्थान राज्य केंद्र
8318, उत्तर-पश्चिम खंड
सरकारी सचिवालय,
सी-स्कीम, जयपुर, 302005
0141-2227992
ईमेल: sioraj@nic.in
वेबसाइट: https://raj.nic.in

सेवानिवृति

श्री नरेश चंद गुप्ता, वैज्ञानिक-F
जन्म तिथि: 01.03.1966
कार्यग्रहण तिथि: 15.09.1993
पद: वैज्ञानिक अभियंता (Scientific Engineer) GR.
पदस्थापन स्थल: NIC जयपुर
सेवानिवृत्ति तिथि: 28.02.2026
सेवानिवृत्ति स्थल: NIC जयपुर
शिक्षा: M.Phil
प्रोजेक्ट: NICNET, नेटवर्क सुरक्षा, डेटा सेंटर, SecLAN, RAJNet, ईमेल, कवच, VPN और SANDES ऐप, NKN, HCI RajCloud, OTRS सर्विस डेस्क, Wi-Fi, SLBs, क्लाउड सेवा, VC, RSDC जयपुर और DR जोधपर. HOD. COURTIS

श्री चंदन सेन, वैज्ञानिक-F
जन्म तिथि: 10.01.1966
कार्यग्रहण तिथि: 16.02.1994
पद: वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-SB (DIO / प्रोग्रामर)
पदस्थापन स्थल: NIC बूंदी
सेवानिवृत्ति तिथि: 31.01.2026
सेवानिवृत्ति स्थल: NIC जयपुर
शिक्षा: MCA
प्रोजेक्ट: E-Nagar, वीडियो कॉन्फ्रेंस, NICNET, नेटवर्क सुरक्षा, ईमेल, कवच, डेटा सेंटर, क्लाउड सेवाओं के समूह प्रमुख।

श्री रमेश चंद जैन, वैज्ञानिक-E
जन्म तिथि: 08.10.1966
कार्यग्रहण तिथि: 19.10.1988
पद: जिला सूचना विज्ञान सहायक / वैज्ञानिक / तकनीकी सहायक 'A'
पदस्थापन स्थल: NIC टोंक
सेवानिवृत्ति तिथि: 28.02.2026
सेवानिवृत्ति स्थल: NIC जयपुर
शिक्षा: M.Sc (कम्प्यूटर विज्ञान), कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी में PG डिप्लोमा
प्रोजेक्ट: तकनीकी भंडार, AMC संबंधित कार्य, PDS प्रोजेक्ट, Raj Fed प्रोजेक्ट।

नये सदस्यों का स्वागत

श्री दीपक कुमार मीणा
वैज्ञानिक/तकनीकी सहायक-A एवं DIA
NIC जिला केंद्र, सिरोही
कार्यग्रहण तिथि - 16.01.2026

श्री भंवर कुमार मीना
वैज्ञानिक/तकनीकी सहायक-ए एवं डीआईए
एनआईसी जिला केंद्र, हनुमानगढ़
कार्यग्रहण तिथि - 27.01.2026